Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

One Day Workshop on 'Film Appreciation'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-12-2022**

कार्यशाला में बताया, फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) महेंद्रगढ़ में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला लगाई गई। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं जबकि विशेषज्ञ के रूप में सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला की मुख्यातिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। बता दें कि हरिओम कौशिक ने फिल्म सांड की आंख में एक्टिंग ट्रेनर के रूप में जबकि आरआरआर, गुलाबों सिताबों, उद्यम सिंह में कास्टिंग सहायक के रूप फिल्म में भूमिका निभाई। कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा व सिने फाउंडेशन द्वारा 4 व 5 फरवरी 2023 को होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव का पोस्टर भी जारी किया गया।

हरिओम कौशिक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 08-12-2022**

ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में नए दरवाजे खुले : कौशिक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। जबकि विशेषज्ञ के रूप में सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक

ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी।

मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फिल्मों का प्रभाव व्यक्ति पर लम्बे समय तक रहता है इसलिए विद्यार्थियों को अपने सृजनात्मक ज्ञान से ऐसी फिल्मों का निर्माण करना चाहिए जो आमजन व समाज के लिए उपयोगी हो और समाज की दिशा व दशा बदलने का कार्य करें। प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी। विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आज ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में अनेक नए दरवाजे खुल गए हैं। भारत में सबसे ज्यादा फिल्में बनती व रिलीज होती हैं। इसलिए इस क्षेत्र में हर एक के लिए अपार अवसर उपलब्ध हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 09-12-2022**

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी रहेगी कार्यशाला

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला की मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव

कार्यशाला में विशेषज्ञ हरिओम कौशिक का स्मृति चिह्न भेंट करती हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ● सौ. संस्था

पड़ता है। आज ओटीटी प्लेटफार्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में अनेक नए दरवाजे खुल गए हैं। उन्होंने कहा भारत में सबसे ज्यादा फिल्में बनती व रिलीज होती हैं। इसलिए इस क्षेत्र में हर एक के लिए अपार अवसर उपलब्ध हैं। कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा व सिने फाउंडेशन हरियाणा द्वारा चार और पांच फरवरी 2023 को आयोजित होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव का पोस्टर भी जारी किया गया। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डा. नीरज कर्ण ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डा. सुरेंद्र ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आलेख एस नायक, डा. पंकज व डा. भारती बत्रा सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 09-12-2022**

फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध: प्रो. सुनीता श्रीवास्तव

महेंद्रगढ़, 8 दिसम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में फिल्म विवेचना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं जबकि विशेषज्ञ के रूप में सैंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान अवश्य ही विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञ हरिओम कौशिक का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

कार्यशाला की मुख्यातिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। फिल्मों का प्रभाव व्यक्ति पर लम्बे समय तक रहता है इसलिए विद्यार्थियों को अपने सृजनात्मक ज्ञान से ऐसी फिल्मों का निर्माण करना चाहिए जो आमजन व समाज के लिए उपयोगी हो और समाज की दिशा व दशा बदलने का कार्य करें।

प्रो. श्रीवास्तव ने विभिन्न फिल्मों का उदाहरण देते हुए समझाया कि फिल्मों ने किस तरह से युवाओं को प्रभावित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग को बधाई दी।

फिल्में समाज का आइना: हरिओम कौशिक

कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्में समाज का आइना हैं और फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आज ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म आने से फिल्मों के क्षेत्र में अनेक नए दरवाजे खुल गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा फिल्में बनती व रिलीज होती हैं इसलिए इस क्षेत्र में हर एक के लिए अपार अवसर उपलब्ध हैं। बता दें कि हरिओम कौशिक ने मशहूर फिल्म सांड की आंख में एक्टिंग ट्रेनर के रूप में जबकि आर.आर.आर., गुलाबो सिताबो, उद्यम सिंह में कास्टिंग सहायक के रूप फिल्म में भूमिका निभाई। इसके अलावा वे वैब स्कैम व तोता जैसी फिल्मों में अभिनेता की भूमिका भी निभा चुके हैं।

कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार में विश्व संवाद केंद्र हरियाणा व सिने फाऊंडेशन हरियाणा द्वारा 4 व 5 फरवरी को आयोजित होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव का पोस्टर भी जारी किया गया।

इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज कर्ण ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आलेख एस नायक, डॉ. पंकज व डॉ. भारती बत्रा सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।